आज से 80 इंजीनियरिंग कालेज में उद्योग आधारित प्रोजेक्ट शुरू

जागरण संवाददाता, देहरादून : वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) चालू सत्र में आज (सोमवार) से पहली बार उद्योग आधारित परियोजना की पढ़ाई भी कराएगा, ताकि इंजीनियरिंग के छात्रों को एक उच्च पैकेज में उत्तराखंड के उद्योगों में अवसर मिल सकें। इससे जहां इंजीनियरिंग के छात्रों को घर के समीप नौकरी मिलेगी, वहीं उद्योगों को दक्ष मानव संसाधन उपलब्ध होगा। विवि ने ट्रेड एंड प्लेसमेंट ड्राइव भी शुरू करने का निर्णय लिया है। यह एक वर्षीय परियोजना पाठ्यक्रमों के अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं पर लागू होगी।

विवि ने इस वर्ष चार नए पाठ्यक्रम शुरू किए हैं, जिनमें बीटेक कंप्यूटर साइंस, बीटेक साइबर सिक्योरिटी, पीजी डिप्लोमा इन साइबर सिक्योरिटी और बी-फार्मा शामिल है। इन चारों पाठ्यक्रमों में नौकरी की अधिक संभावना है। विवि के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने बताया कि विवि की ओर से नई शिक्षा नीति को ध्यान में रखते हुए भविष्य व वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप सभी पाठ्यक्रमों की पढ़ाई कराई जा रही है। सभी पाठ्यक्रमों को बदलकर रोजगारपरक और प्रभावी बनाया गया है। उद्योग आधारित परियोजना से अधिक से अधिक छात्रों को जोड़ा जाएगा। आल इंडिया काउंसिल फार टेक्निकल एजुकेशन (एआइसीटीई) ने इसे सभी इंजीनियरिंग कालेजों में अनिवार्य रूप से शुरू करने के निर्देश दिए हैं। आज से यह प्रदेशभर के इंजीनियरिंग कालेजों में प्रारंभ किया जा रहा है।

- उत्तराखंड के साढ़े 81 हजार उद्योगों को पहली बार मिलेंगे इंजीनियरिंग के दक्ष युवा
- सभी संस्थानों में दो सेमेस्टर की पढ़ाई उद्योग आधारित परियोजना के तहत होगी

ये छह कालेज बने यूटीयू कैंपस कालेज

- प्रौद्योगिकी संस्थान गोपेश्वर चमोली
- महिला प्रौद्योगिकी संस्थान देहरादून
- डा. एपीजे अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी विवि टनकपुर
- नन्हीं परी सीमांत प्रौद्योगिकी संस्थान पिथौरागढ़
- टीएचडीसी-आइएचटी नई टिहरी
- बौन इंजीनियरिंग कालेज उत्तरकाशी

विवि के 16 पाठ्यक्रमों में हैं 14387 सीटें

यूटीयू से 14 संगठन और राजकीय इंजीनियरिंग कालेज संबद्ध हैं। साथ ही 65 निजी इंजीनियरिंग कालेजों में 16 पाठ्यक्रमों की 14387 सीटें हैं।

यूटीयू के पाठ्यक्रम

बीटेक, बीफार्मा, बीएचएमसीटी, एमबीए, एमसीए, एमटेक, एम-फार्मा, एमएचएम, बीए-एलएलबी, बीबीए- एलएलबी, एलएलबी, एलएलएम, फार्मा-डी।

उद्योग जगत में आइटी, कंप्यूटर साइंस, सिविल इंजीनियरिंग जैसे ट्रेड में दक्ष युवाओं में काफी मांग है। विवि ने निर्णय लिया है कि चालू शिक्षा सत्र से प्रत्येक कालेज में दो सेमेस्टरों अर्थात एक साल तक उद्योग आधारित परियोजना शुरू की जाएगी। ताकि पढ़ाई पूरी करते ही यहां के युवाओं को सीधे बहुराष्ट्रीय कंपनियों में बेहतर पैकेज के साथ प्लेसमेंट मिल सके। इससे उत्तराखंड में स्थापित 81,587 उद्योगों को दक्ष मानवशक्ति मिलेगी और युवाओं को रोजगार मिलेगा।

- प्रो. ओंकार सिंह, कुलपति वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विवि

उत्तराखंड की खबरें पढ़ें
www.jagran.com/state/uttarakhand